मेहेर बाबा और उनके साथियो की नई जिन्दगी का तराना

सुनो मेहेर बाबा की खामोश बानी,
इसी मे है सब आशिको की कहानी।
है जीना तुम्हे गर नई जिन्दगानी,
करो तर्क दिल से ये दुनियॉए फानी ।।

खुदा के भरोसे पे हम जा रहे है,
कसम से इरादो को गरमा रहे है।
गजल नामुरादी की हम गा रहे है,
बला और मुसीबत को बुलवा रहे है

उम्मीदो का रोना ना वादो का शिकवा,
न इज्जत से मतलब न जिल्लत की परवाह ।
न गीबत किसी की, न खतरा किसी का,
यही रंग है अपनी अब जिन्दगी का ।।

खयालो मे उलझन है बाकी न बन्धन,
है नखवत न गुस्सा न कुछ काम कंचन।
है मजहब से रिश्ता न कुछ फिकरे तनमन,
सवार एक किश्ती मे शेखो बिरहमन ।।